राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 15 जुलाई 2026

वर्ष 16, अंक 97, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद में विदाई एवं सम्मान समारोह संपन्न...03

यूएफसी इवेंट पर हमले की साजिश का खुलासा...04

हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने वाले आस्था की बात कर रहे हैं अयोध्या में विपक्ष पर गरजे CM योगी

अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी पर विपक्ष के हमले के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी विपक्ष पर जमकर वार कर रहे हैं. सीएम योगी ने आज शुक्रवार को विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जो लोग आज अयोध्या में आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने कभी हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का पाप किया था. साथ ही मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि अयोध्या की भदरसा नगर पंचायत का नाम बदलकर भरत नगर किया जाएगा जबकि नए नगर निकाय क्षेत्र का नाम मां ज्वाला के नाम पर रखा जाएगा. सीएम योगी अयोध्या में 432 करोड़ रुपये की लागत वाली 217 विकास से जुड़े परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण तथा बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मंत्री दिवंगत मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. सीएम योगी ने किसी दल का नाम लिए बगैर कहा, 'आज अयोध्या में जो लोग आस्था की बात कह रहे हैं, इन्होंने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का पाप किया था. '

क्या जामा मस्जिद में होगा हनुमान चालीसा: CM योगी

उन्होंने आगे कहा, 'आप सोच सकते हैं कि क्या कोई जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ कर पाएगा? क्या कोई सरकार ऐसा करवा पाएगी? क्या समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ऐसा करवा पाएंगी? अगर नहीं, तो फिर अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों कराया गया? ' मुख्यमंत्री ने कहा, 'उन्होंने हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप किया और हमने अयोध्या को स्वच्छ, सुंदर और सनातन धर्म की राजधानी के रूप में फिर से स्थापित करने का कार्य किया है. ' अयोध्या के कायाकल्प किए जाने की बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि आज अयोध्या तीनों लोकों से न्यारी और वैभवशाली नगरी के रूप में विकसित हो रही है. उन्होंने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप अयोध्या अब सौर ऊर्जा आधारित शहर बन चुका है और देश के प्रमुख शहरों में अपनी अलग पहचान बना रहा है.

डबल इंजन की सरकार में राम मंदिर संभव: CM योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'अयोध्या ने आज वह करके दिखाया है जो 500 सालों में नही हो सका था. पीढ़ियों पर पीढियां गई, संतों, राजाओं और समाज के प्रत्येक तबगे ने रामजन्मभूमि मुक्ति के लिए आंदोलन किया, संघर्ष किया. लेकिन, जो कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता, आज वो देख रहे हैं कि यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं. पिछले दिनों आपने देखा होगा ये समाजवादी पार्टी के नमूनों का क्या होता है, अयोध्या भदरसा का चेयरमैन कैसे वहां पर गुस्ताखी कर रहा था, यही असली चरित्र है इन लोगों का. 'उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में कई तरह की बाधाएं खड़ी कीं. भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए और रामभक्तों पर गोलियां चलवाई. लेकिन डबल इंजन की सरकार बनने के बाद राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ.

भदरसा अब भरत नगर भरत कुंड हुआ: CM योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में अयोध्या की भदरसा नगर पंचायत का नाम बदलने का ऐलान करते हुए कहा, 'इसका नाम अब भदरसा नहीं होगा, बल्कि वो भरत नगर भरत कुंड होगा.' उन्होंने आगे कहा, 'भरत जी की स्मृति को, भरत जैसा भाई दुनिया के अंदर मिलना कठिन है, लेकिन अयोध्या का सौभाग्य है कि अयोध्या ने प्रभु राम भी दिए, भरत भी दिए, लक्ष्मण भी दिए, शत्रुघ्न भी दिए. ' उन्होंने कहा कि देश के अंदर हम जहां कहीं भी जाते हैं, पूरब में जाते हैं, पश्चिम में जाते हैं, उत्तर में, दक्षिण में कहीं भी हम जाते हैं, अयोध्या की पहचान आज भी मौजूद है और इसलिए अब भदरसा 'भरत नगर' 'भरत कुंड' के नाम पर जाना जाएगा, वो नगर पंचायत उस रूप में हम आगे बढ़ाएंगे. पिछले महीने राम मंदिर में दान और चढ़ावे के कथित गबन के आरोपों को लेकर विपक्ष ने सरकार और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर लगातार सवाल उठाए हैं. 7 जून को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे पहले इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया था. विवाद बढ़ने पर 19 जून को अयोध्या दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से धैर्य रखने की अपील की थी कि एसआईटी की जांच 'दूध का दूध और पानी का पानी' कर देगी.

राम मंदिर में चढ़ावा गिनने में लगे 20 से ज्यादा कर्मचारियों का इस्तीफा, पेमेंट नहीं होने पर मास रेजीग्नेशन

राम मंदिर चढ़ावा काउंटिंग में लगे बीस से ज्यादा कर्मियों ने एक साथ काम छोड़ दिया है. उनका कहना है कि यहां काम बढ़ा दिया गया है, लेकिन पेमेंट नहीं की गई है. इससे नाराज होकर इन सभी ने इतने बड़े लेवल पर रिजाइन कर दिया. ऐसे में अब दो शिफ्ट की बजाय एक ही शिफ्ट में चढ़ावा काउंटिंग का काम हो सकेगा. पहले सुबह आठ बजे से दो बजे और दो बजे से आठ बजे दो शिफ्ट में चढ़ावे की गिनती होती थी कम स्टाफ के कारण इसे अब एक ही शिफ्ट कर दिया गया है, जिसका समय 10 बजे से 5 बजे तक तय किया गया है. वहीं सेकेंड शिफ्ट और फर्स्ट शिफ्ट के बचे हुए कर्मियों को मर्ज कर दिया गया है. ऐसे में अब टीम में 15-16 लोग ही रह जाएंगे. जब तक नये लोग टीम में शामिल नहीं होते तब तक यही व्यवस्था रहेगी. यहां बचे हुए कर्मियों पर वर्क लोड भी बढ़ जाएगा. सूत्रों के मुताबिक, आज से सेकेंड शिफ्ट में काम कर रहे कर्मियों को सुबह 10 बजे से बुलाया गया है.

आरोपी दान चोरी का पैसा शेयर बाजार में लगाते थे

राम मंदिर चोरी के मामले में एसआईटी जैसे-जैसे अपने जांच का दायरा बढ़ा रही है, वैसे-वैसे चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं. एसआईटी के मुताबिक, आरोपी दान के चोरी किए गए पैसों का एक हिस्सा शेयर बाजार में पैसा कमाने के लिए लगाते थे. इसके साथ ही कुछ पैसा वो लोगों को ब्याज पर उधार भी दिया करते थे. इस एंगल से भी पुलिस आरोपियों के जानने वालों के अकाउंट खंगाल रही है.

दान चोरी में एसआईटी का खुलासा

SIT ने पता लगाया है कि दो बड़े अधिकारियों, जिसमें ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा और काउंटिंग इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव की दान व्यवस्था में बहुत अहम भूमिका थी. इन दोनों ने सुरक्षा के नियमों को ठीक से लागू नहीं किया, जिसकी वजह से मंदिर में आए दान की चोरी और गबन हो गया. स्ट्रक्चर के अनुसार, अनिल मिश्रा ट्रस्ट के पैसे और दान संबंधी सारे कामों के बीच में थे. वे फाइनेंस की देखरेख करते थे, नकदी इकट्ठा करने की प्रक्रिया पर नजर रखते थे. इसके साथ-साथ बैंक के साथ दान गिनने व जमा करने के नियम (SIT) बनाने में ट्रस्ट की तरफ से काम करते थे. जांचकर्ताओं का कहना है कि इस वजह से अनिल मिश्रा इस बात के लिए सीधे जिम्मेदार थे कि तय किए गए सुरक्षा नियमों को सही तरीके से लागू किया जाए.

कर्मचारियों की नहीं हो रही थी तलाशी

SIT की रिपोर्ट में बताया गया है कि अनिल मिश्रा को अंदरूनी जरिये से पता चला था कि कर्मचारियों की जरूरी तलाशी नहीं ली जा रही थी. फिर भी, उन्होंने नियमों का पालन करवाने या सुरक्षा मजबूत करने के लिए कोई लिखित निर्देश जारी नहीं किए. SIT ने ये भी पाया कि उन्होंने बायोमेट्रिक अटेंडेंस, जरूरी ड्रेस कोड, गिनती वाले कमरे में निजी सामान ले जाने पर रोक, हुंडी-वाइज गिनती, नोटों की कीमत के हिसाब से डॉक्यूमेंटेशन और रोजाना रिपोर्टिंग को लागू नहीं करवाया.

संक्षिप्त ख़बरें

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों की नाव हादसा: 15 की मौत के बाद कप्तान गिरफ्तार, जांच शुरू

हनोई। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के समीप भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने के मामले में स्थानीय पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नाव के 57 वर्षीय कप्तान गुयेन होंग हाई को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के एक दिन बाद रविवार को उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा केवल प्रतिकूल मौसम के कारण हुआ या फिर समुद्री सुरक्षा नियमों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही बरती गई थी। पुलिस कप्तान और चालक दल के अन्य सदस्यों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार दोपहर फु क्वोक के पास स्थित होन मे रुट न्गोआई द्वीप से लौट रही स्पीडबोट तट से करीब 400 मीटर दूर पलट गई। नाव में 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी चालक दल के सदस्य सवार थे।

तेज रफ्तार इको वैन की टक्कर से साले-बहनोई की मौत

शाहजहांपुर। जिले के कांट-जलालाबाद मार्ग पर शनिवार देर रात तेज रफ्तार इको वैन की टक्कर से बाइक सवार साले-बहनोई की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जलालाबाद क्षेत्र के पुरैना गांव निवासी ब्रह्म सिंह (30) और तिलहर क्षेत्र के सरैया गांव निवासी उनके चचेरे साले अंशुक (25) शनिवार रात कांट क्षेत्र के भंडेरी गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। समारोह में जयमाल कार्यक्रम के बाद दोनों बाइक से अपने घर के लिए रवाना हुए। रास्ते में थाना कांट क्षेत्र के बरेंडा मोड़ के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार इको वैन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों करीब 25 फीट दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को देखा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मृतकों के पास मिले मोबाइल फोन के माध्यम से उनके परिजनों को घटना की सूचना दी।

वी द लीडर्स' आंदोलन के साथ अन्नामलाई की नई शुरुआत

चेन्नई(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी पद छोड़ने के बाद अपने नए सार्वजनिक अभियान 'वी द लीडर्स' की औपचारिक शुरुआत कर दी। तमिलनाडु के पोल्लाची में आयोजित 'ड्रग-मुक्त पोल्लाची जागरूकता सम्मेलन' में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच अन्नामलाई ने नशे के खिलाफ जनआंदोलन चलाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए 50 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया। सभा को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि 2031 के चुनावों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा और इसमें 'जनरेशन-जेड (Gen-Z)' की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि उनके आंदोलन में 17 प्रतिशत महिलाएं शामिल

हैं, जिनमें 14 प्रतिशत की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच है, जबकि 54 प्रतिशत सदस्य 35 वर्ष से कम आयु के हैं। अन्नामलाई ने कहा, '2026 के चुनावों में Gen-Z ने बदलाव की शुरुआत की थी और 2031 में भी वही परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। ' पूर्व भाजपा नेता ने कहा कि इस सम्मेलन के लिए किसी को औपचारिक निमंत्रण नहीं दिया गया था और न ही वीआईपी पास या विशेष व्यवस्था की गई थी। इसके बावजूद हजारों लोग स्वेच्छा से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 'वी द लीडर्स' किसी एक व्यक्ति का मंच नहीं, बल्कि आम नागरिकों का जनआंदोलन है।

आंदोलन की प्रमुख घोषणाएं

- अन्नामलाई ने अपने आंदोलन के तहत कई प्रमुख लक्ष्य घोषित किए–
- तमिलनाडु को नशामुक्त बनाने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान।
- पर्यावरण संरक्षण के तहत 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य।
- आंदोलन में वीआईपी संस्कृति पूरी तरह समाप्त, सभी प्रतिभागियों के लिए समान व्यवस्था।
- आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित जनआंदोलन के रूप में संगठन का विस्तार।

नितिन नवीन से मिले नरोत्तम मिश्रा, बोले- पार्टी का फैसला सर्वोपरि, आशुतोष तिवारी के लिए करूंगा प्रचार

भोपाल। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जारी चर्चाओं के बीच पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। माना जा रहा है कि बैठक के दौरान दतिया सीट पर टिकट वितरण और उपचुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि पार्टी का निर्णय सर्वोपरि होता है और कोई भी व्यक्ति संगठन से बड़ा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, 'टिकट न मिलना इस बात का प्रमाण है कि कोई भी पार्टी से ऊपर नहीं है। पार्टी का स्थान सबसे ऊंचा है और उसका निर्णय दूरदर्शिता के साथ लिया जाता है। '

चीन का मेगा बांध खुद उसके लिए बना खतरा?

नई दिल्ली(एजेंसी)। चीनी वैज्ञानिकों ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर चीन की विशाल जलविद्युत परियोजना से जुड़े भू-वैज्ञानिक जोखिमों को लेकर नई चिंता जताई है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि परियोजना स्थल के नीचे मौजूद एक सक्रिय फॉल्ट लाइन दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत बांध की संरचनात्मक स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी पिछले महीने चीनी भाषा की पत्रिका 'सेडिमेंटरी जियोलॉजी एंड टेथियन जियोलॉजी' में प्रकाशित एक अध्ययन पर आधारित है। यह शोध सरकारी संस्था चाइना जियोलॉजिकल सर्वे के पर्यवेक्षण में किया गया था।इस अध्ययन में पाया गया कि पाइजेन फॉल्ट, जो पूर्वी हिमालय क्षेत्र में पृथ्वी की ऊपरी सतह में मौजूद एक सक्रिय दरार है, सीधे

उस क्षेत्र के नीचे से गुजरती है जहां तिब्बत के मेतोग काउंटी में मेतोग जलविद्युत स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है। यह स्थान उस क्षेत्र से लगभग 50 किलोमीटर पहले है जहां यारलुंग त्सांगपो नदी भारत में प्रवेश करती है। हालांकि शोधकर्ताओं ने परियोजना को बंद करने की मांग नहीं की, लेकिन उन्होंने इंजीनियरों को अधिक मजबूत सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। इनमें ढलानों की स्थिरता में सुधार, रिटेनिंग संरचनाओं की स्थापना और भूस्खलन, भू-धंसाव तथा अन्य भू-वैज्ञानिक खतरों को कम करने के उपाय शामिल हैं।

वारी यात्रा में ट्रक ने सात श्रद्धालुओं को रौंदा, तीन महिलाओं की मौत

पुणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में सोमवार सुबह वारी शोभायात्रा के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक ने पैदल चल रही वारकरी महिलाओं को कुचल दिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब 8:30 बजे बेलसर टोल प्लाजा से जेजुरी की ओर लगभग 500 मीटर आगे हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 70 वर्षीय ट्रक चालक बुखार और सर्दी की दवा ले रहा था। दूसरे वाहन को ओवरटेक करने के दौरान ट्रक अचानक बाईं ओर मुड़ गया और पैदल चल रही सात महिला श्रद्धालुओं को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में नंदा पवार (60), माधवी राजाराम सालगरे (55) और राजश्री शंकर भोसले (55) की मौके पर ही मौत हो गई। चार घायल महिलाओं को जेजुरी के अस्पताल के

आठों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 27 जुलाई तक बढ़ी

अयोध्या(एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा धनराशि चोरी के बहुचर्चित मामले में जेल में बंद सभी आठों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 27 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। सोमवार को सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष न्यायालय (एंटी करप्शन कोर्ट) में पेश किया गया, जहां प्रभारी न्यायाधीश प्रतिभा नारायण ने उनकी न्यायिक अभिरक्षा रिमांड 14 दिन के लिए बढ़ाने का आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा के अवकाश पर होने के कारण मामले की सुनवाई प्रभारी न्यायाधीश

प्रतिभा नारायण ने की। इससे पहले मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी ने अदालत में सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। मामले में आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू पहले से न्यायिक हिरासत में हैं। इस बीच, मामले के दो प्रमुख आरोपियों रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को सात दिन की पुलिस कस्टडी में देने संबंधी पुलिस की अर्जी पर मंगलवार को एंटी करप्शन कोर्ट में सुनवाई होगी। विवेचक ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के लिए 10 जुलाई को यह आवेदन दाखिल किया था। अदालत के आगामी फैसले पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

दुनिया का चौथा सबसे फैमिली-फ्रेंडली एयरपोर्ट बना हैदराबाद

वैश्विक रैंकिंग में भारत को बड़ी उपलब्धि, यात्रियों की सुविधाओं के दम पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने हासिल किया चौथा स्थान

हैदराबाद(एजेंसी)। हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दुनिया के सबसे फैमिली-फ्रेंडली हवाई अड्डों में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। यूके की संस्था AttractionTickets.com द्वारा जारी हैपिएस्ट एयरपोर्ट्स रैंकिंग में एयरपोर्ट को 20 में से 18.5 अंक मिले हैं। मई 2026 के आंकड़ों पर आधारित इस सर्वे में दुनिया के 140 से अधिक हवाई अड्डों का मूल्यांकन किया गया। रैंकिंग के लिए यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े नौ प्रमुख मानकों को

आधार बनाया गया, जिनमें गूगल रिव्यू, बच्चों के लिए प्ले एरिया, फैमिली सिक्योरिटी लेन, बेबी केयर रूम, मुफ्त स्ट्रॉलर सेवा, आराम क्षेत्र, हाई-स्पीड वाई-फाई, विशाल टर्मिनल और विशेष जरूरत वाले यात्रियों के लिए सुविधाएं शामिल थीं। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए प्रत्येक टर्मिनल पर आधुनिक फैमिली रूम, प्रशिक्षित सहायक स्टाफ, थेरेपी डॉग्स, योग कक्ष तथा उत्कृष्ट खान-पान और शॉपिंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस उपलब्धि पर जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कादिर कादिरवन ने कहा कि दुनिया के सबसे परिवार-अनुकूल हवाई अड्डों में शामिल होना संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान यात्रियों को विश्वस्तरीय और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

रैंकिंग के लिए यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े नौ प्रमुख मानकों को आधार बनाया गया, जिनमें गूगल रिव्यू, बच्चों के लिए प्ले एरिया, फैमिली सिक्योरिटी लेन, बेबी केयर रूम, मुफ्त स्ट्रॉलर सेवा, आराम क्षेत्र, हाई-स्पीड वाई-फाई, विशाल टर्मिनल और विशेष जरूरत वाले यात्रियों के लिए सुविधाएं शामिल थीं।

यूपी के नए विधानभवन की तैयारी तेज

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नए विधानभवन के निर्माण की दिशा में तैयारियां तेज हो गई हैं। गोमतीनगर स्थित सहारा शहर की 245 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित नए विधानसभा परिसर के लिए सोमवार को कई कंपनियों ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में अपने डिजाइन और विकास प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इससे पहले भी कई एजेंसियां अपना प्रेजेंटेशन दे चुकी हैं। प्रस्तावित परियोजना में नया विधानभवन, अत्याधुनिक सचिवालय, मुख्यमंत्री आवास, विधायक हॉस्टल तथा वीवीआईपी प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण शामिल है। सभी कंपनियों ने आधुनिक सुविधाओं और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपनी रूपरेखा प्रस्तुत की। योजना के अनुसार नया विधानभवन पूरी तरह पेपरलेस और डिजिटल होगा। इसे आगामी 100 वर्षों की आवश्यकताओं को

ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। परिसर में आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था, स्मार्ट प्रशासनिक सुविधाएं और डिजिटल कार्य प्रणाली विकसित की जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए अंडरग्राउंड टनल, अलग वीवीआईपी प्रवेश एवं निकास द्वार तथा विशेष ट्रैफिक प्रबंधन की भी योजना तैयार की गई है, ताकि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान गोमतीनगर में जाम की समस्या न हो। डिजाइन में आधुनिक वास्तुकला के साथ उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की झलक भी शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया है।

संपादकीय

आस्था की सुरक्षा के लिए नई चुनौती

भारत में मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, संस्कृति और सामाजिक जीवन के केंद्र भी हैं। विशेष रूप से अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण और उद्घाटन के बाद देशभर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे में यदि किसी मंदिर में चढ़ावे की चोरी या सुरक्षा में चूक जैसी घटना सामने आती है, तो उसका असर केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे धार्मिक तंत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। इसी कारण जब किसी प्रमुख मंदिर में चोरी या वित्तीय अनियमितता की घटना सामने आती है, तो प्रशासन अन्य मंदिरों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की भी समीक्षा शुरू कर देता है। इसका उद्देश्य केवल अपराधियों तक पहुँचना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना भी होता है। मंदिरों में बढ़ती सुरक्षा की आवश्यकता देश के अनेक बड़े मंदिरों में प्रतिदिन लाखों रुपये का चढ़ावा आता है। त्योहारों, विशेष अवसरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान यह राशि कई गुना बढ़ जाती है। नकद दान के साथ-साथ सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुएँ भी श्रद्धालु अर्पित करते हैं। ऐसे में इन मंदिरों की सुरक्षा किसी बैंक या अन्य महत्वपूर्ण संस्थान से कम चुनौतीपूर्ण नहीं रह जाती। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग के बावजूद यदि निगरानी व्यवस्था में कहीं भी लापरवाही हो, तो चोरी या गबन जैसी घटनाएँ संभव हो सकती हैं। इसलिए केवल सीसीटीवी कैमरे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित मॉनिटरिंग, रिकॉर्डिंग की समीक्षा और सुरक्षा व्यवस्था का समय-समय पर ऑडिट भी आवश्यक है। प्रशासन की बढ़ी सतर्कता- किसी प्रमुख मंदिर में चोरी की घटना के बाद पुलिस और जिला प्रशासन सामान्यतः अन्य प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था का भी आकलन करते हैं। इसमें कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है- सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और उनकी कार्यक्षमता। चढ़ावे की गिनती और सुरक्षित भंडारण की प्रक्रिया। सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और उनकी जवाबदेही। प्रवेश एवं निकास द्वारों की निगरानी। दानपात्र खोलने की पारदर्शी व्यवस्था। रिकॉर्ड रखने और डिजिटल निगरानी की प्रणाली। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रद्धालुओं के विश्वास को मजबूत बनाए रखना होता है। तकनीक बन सकती है सबसे बड़ी सुरक्षा- आज कई प्रमुख मंदिर आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे, फेस रिकग्निशन, डिजिटल एक्सेस कंट्रोल, बायोमेट्रिक प्रवेश, अलार्म सिस्टम और कंट्रोल रूम जैसी व्यवस्थाएँ सुरक्षा को मजबूत बना रही हैं। इसके अलावा चढ़ावे की गणना में भी मशीनों और डिजिटल रिकॉर्डिंग का उपयोग बढ़ रहा है। इससे मानवीय त्रुटियों और अनियमितताओं की संभावना कम होती है तथा प्रत्येक प्रक्रिया का रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है। श्रद्धालु मंदिर में दान केवल धार्मिक भावना से नहीं, बल्कि विश्वास के आधार पर करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि चढ़ावे की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो। नियमित ऑडिट, सार्वजनिक वित्तीय रिपोर्ट, बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से जमा और बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था से लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। यदि किसी मंदिर में वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी हो, तो चोरी या गबन की आशंकाएँ भी काफी हद तक कम हो जाती हैं। सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं मंदिरों की सुरक्षा केवल प्रशासन या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। मंदिर ट्रस्ट, कर्मचारी, स्वयंसेवक और श्रद्धालु भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देना, सुरक्षा नियमों का पालन करना और निगरानी व्यवस्था में सहयोग करना सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी एक घटना के आधार पर सभी मंदिरों की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाना उचित नहीं होगा। देश के अधिकांश मंदिरों में सुरक्षा और वित्तीय प्रबंधन की व्यवस्थाएँ प्रभावी ढंग से संचालित होती हैं। फिर भी किसी भी घटना से सीख लेकर सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाना प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक कदम है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि बड़े मंदिरों के लिए एक समान सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किया जाए। समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट, कर्मचारियों का सत्यापन, डिजिटल लेखा-जोखा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और नियमित प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएँ भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना को कम कर सकती हैं। मंदिरों की सुरक्षा केवल संपत्ति की रक्षा का विषय नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। यदि किसी प्रमुख मंदिर में चोरी की घटना सामने आती है, तो उससे सबक लेते हुए अन्य मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और सुदृढ़ीकरण एक स्वाभाविक तथा आवश्यक प्रशासनिक कदम है। पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, जवाबदेही और जनसहभागिता के माध्यम से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि श्रद्धालुओं का विश्वास अटूट बना रहे और मंदिर सुरक्षित, व्यवस्थित तथा विश्वसनीय धार्मिक केंद्र बने रहें।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से आगरा में युवाओं के स्वावलंबन और स्वरोजगार की नई उड़ान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (डल्ट।) राज्य के शिक्षित और कुशल युवाओं के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार प्रदाता के रूप में विकसित करना है। इसके तहत प्रदेश सरकार युवाओं को अपने नए उद्यम, स्टार्ट-अप या सूक्ष्म उद्योग शुरू करने के लिए बेहद आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता और संसाधन उपलब्ध करा रही है, जिससे राज्य के औद्योगिक और आर्थिक परिदृश्य को जमीनी स्तर पर एक नई मजबूती मिल रही है। यह अभियान उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर' की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को गति देने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्योगों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे युवाओं का पलायन थमा है और स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है। इसी कड़ी में आगरा जनपद में इस योजना का क्रियान्वयन अत्यंत प्रभावी ढंग से हो रहा है, जहां जिला प्रशासन और स्थानीय बैंक शाखाओं के सक्रिय सहयोग से युवाओं के सपने तेजी से साकार हो रहे हैं। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विशिष्ट वित्तीय संरचना है, जो नए उद्यमियों के लिए शुरुआती जोखिम को काफी कम कर देती है। इसके अंतर्गत युवाओं को उद्योग और सेवा क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए 5 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि युवाओं को अपनी पूंजी के लिए साहूकारों या बैंकों की जटिल और महंगी ब्याज दरों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। योग्य लाभार्थियों को योजना की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य इस योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष एक लाख युवाओं को सीधे लाभान्वित करना है, जिससे आने वाले समय में राज्य के भीतर लाखों नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों का जाल बिछाया जा सके। योजना के तहत पात्रता के लिए आवेदक की उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच, शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं पास और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कौशल प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र, डिप्लोमा या डिग्री होना अनिवार्य है। आगरा जनपद में इस दूरदर्शी योजना के जमीनी स्तर पर सफल क्रियान्वयन और इसके सकारात्मक प्रभाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण गोकुलपुरा निवासी श्री कृष्णा यादव हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के कारण उनके लिए स्वयं का उद्योग स्थापित करना आसान नहीं था। वे हमेशा अपना व्यवसाय शुरू करने का सपना देखते थे, लेकिन पूंजी की कमी उनके मार्ग में सबसे बड़ी बाधा थी। इसी दौरान उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी मिली। उन्होंने योजना का अध्ययन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए केनरा बैंक, सिकंदरा-बोदला रोड शाखा, आगरा से 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण और योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त किया।

इस वित्तीय सहायता से कृष्णा यादव ने कार्डबोर्ड उद्योग की स्थापना की। शुरुआत में बाजार की प्रतिस्पर्धा और उत्पादन प्रबंधन जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद उनकी लगातार मेहनत और गुणवत्ता ने उनके व्यवसाय को सफलता की राह पर आगे बढ़ाया। आज उनकी इकाई सुचारु रूप से संचालित हो रही है और उन्होंने अपने साथ दो अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है। इसी तरह आगरा के ही खातीपाड़ा, लोहमंडी के निवासी श्री परवीन अली ने भी इस योजना का लाभ उठाकर अपने सपनों को नई उड़ान दी है। वे लंबे समय से स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने की इच्छा रखते थे, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उनका सपना पूरा नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत आवेदन करने पर उनकी पात्रता के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, आगरा शाखा द्वारा 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण और सरकार की ओर से 50 हजार रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। प्राप्त वित्तीय सहायता से परवीन अली ने कारपेट उद्योग से संबंधित अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। आधुनिक संसाधनों और बेहतर प्रबंधन के साथ उन्होंने अपने

यह अभियान उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर' की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को गति देने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्योगों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं, जिससे युवाओं का पलायन थमा है और स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है। इसी कड़ी में आगरा जनपद में इस योजना का क्रियान्वयन अत्यंत प्रभावी ढंग से हो रहा है, जहां जिला प्रशासन और स्थानीय बैंक शाखाओं के सक्रिय सहयोग से युवाओं के सपने तेजी से साकार हो रहे हैं। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विशिष्ट वित्तीय संरचना है, जो नए उद्यमियों के लिए शुरुआती जोखिम को काफी कम कर देती है।

कार्य को आगे बढ़ाया और आज उनकी इकाई सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने व्यवसाय के माध्यम से उन्होंने 4 अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है, जिससे उन परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार आया है। आगरा जनपद में योजना की शानदार सफलता को देखते हुए प्रशासन द्वारा युवाओं के स्वरोजगार और स्टार्टअप के सपनों को तेजी से साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष में प्राप्त लक्ष्यों के सापेक्ष जनपद में शत-प्रतिशत ऋण वितरण सुनिश्चित किया गया है। युवा उद्यमियों को और अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रशासन द्वारा तय लक्ष्यों में और अधिक वृद्धि करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जिले के अधिक से अधिक युवाओं को इस कल्याणकारी योजना का लाभ मिल सके। वित्तीय सहायता के साथ-साथ यह अभियान युवाओं की व्यावसायिक क्षमता को निखारने पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करता है। ऋण प्राप्त करने के लिए कौशल प्रशिक्षण की अनिवार्यता यह सुनिश्चित करती है कि जो भी उद्यम शुरू हो, वह बाजार की व्यावहारिक समझ के साथ आगे बढ़े। डिजिटल साक्षरता और आधुनिक व्यापारिक तौर-तरीकों को बढ़ावा देने के लिए भी इसमें विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पाद वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने न केवल युवाओं के सपनों को पंख दिए हैं, बल्कि प्रदेश को देश के एक प्रमुख स्टार्टअप और उद्यमशीलता केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस नींव रख दी है। बिना गारंटी का यह ब्याज मुक्त ऋण युवाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज में सम्मानजनक जीवन जीने की राह दिखा रहा है। सरकारी सहायता, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन, बैंक अधिकारियों के सहयोग और युवाओं के दृढ़ संकल्प के बल पर आज प्रदेश का युवा वर्ग स्वावलंबन की नई इबारत लिख रहा है।

जनपद- आगरा

ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना : श्रमिक रमेश की बेटी की धूमधाम से हुई शादी

गरीब परिवारों में बेटी की शादी हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय रही है। दहेज, बारात और अन्य खर्चों का बोझ अक्सर माता-पिता को कर्ज के जाल में फंसा देता है। उत्तर प्रदेश सरकार की ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना ऐसे ही गरीब श्रमिक परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना ने हजारों श्रमिकों की बेटियों के हाथ पीले करवाकर उनके सम्मान की रक्षा की है। कानपुर नगर के जाजमऊ क्षेत्र के एक कारखाने में काम करने वाले रमेश प्रसाद की कहानी भी इसी बदलाव की गवाह है। रमेश प्रसाद पिछले 15 वर्षों से कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत पंजीकृत एक चमड़ा फैक्ट्री में श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उनकी मासिक मजदूरी 18,000 रुपये है। इस सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा था। ऊपर से बड़ी बेटी सीमा की शादी की उम्र होने पर रमेश की चिंता बढ़ गई थी। बेटी की शादी के लिए पैसा कहाँ से आएगा, यह सोचकर उनकी रातों की नींद उड़ जाती थी। साहूकार से कर्ज लेता तो पूरी जिंदगी ब्याज भरते निकल जाती। इसी दौरान रमेश को फैक्ट्री के श्रमिक कल्याण अधिकारी से ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना के बारे में पता चला। अधिकारी ने बताया कि यदि श्रमिक की मासिक मजदूरी 24,000 रुपये से अधिक न हो तो उसकी पुत्री की शादी के लिए सरकार 51,000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देती है। यह सुनकर रमेश की आँखों में उम्मीद की चमक आ गई। उन्होंने तुरंत आवश्यक दस्तावेज जुटाए और श्रम विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर दिया।

योजना के तहत पात्रता की जांच के बाद रमेश का आवेदन स्वीकृत हो गया। बेटी की शादी की तारीख तय होते ही श्रम विभाग द्वारा 51,000 रुपये की धनराशि सीधे रमेश के बैंक खाते में भेज दी गई। यह राशि समय पर मिलने से रमेश का बड़ा बोझ हल्का हो गया। श्रमिक श्री रमेश ने बताया कि सरकार से मिली इस मदद से मैंने बेटी के लिए जरूरी सामान खरीदा, बारातियों के खाने-पीने का इंतजाम किया और बिना किसी कर्ज के शादी संपन्न कराई। रमेश की बेटी सीमा की शादी पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से हुई। बारात आई, द्वारचार हुआ, कन्यादान हुआ और बेटी हंसी-खुशी विदा हुई। मोहल्ले के लोग भी यह देखकर हैरान थे कि एक मामूली श्रमिक की बेटी की शादी इतने अच्छे से कैसे हो गई।

रमेश गर्व से कहते हैं, आज मेरी बेटी अपने ससुराल में खुश है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार की वजह से संभव हुआ है। अगर यह योजना न होती तो शायद मैं बेटी की शादी इतनी इज्जत से नहीं कर पाता। रमेश की पत्नी सुनीता देवी भावुक होकर कहती हैं, हम गरीबों के लिए बेटी की शादी सबसे

योजना के तहत पात्रता की जांच के बाद रमेश का आवेदन स्वीकृत हो गया। बेटी की शादी की तारीख तय होते ही श्रम विभाग द्वारा 51,000 रुपये की धनराशि सीधे रमेश के बैंक खाते में भेज दी गई। यह राशि समय पर मिलने से रमेश का बड़ा बोझ हल्का हो गया। श्रमिक श्री रमेश ने बताया कि सरकार से मिली इस मदद से मैंने बेटी के लिए जरूरी सामान खरीदा, बारातियों के खाने-पीने का इंतजाम किया और बिना किसी कर्ज के शादी संपन्न कराई। रमेश की बेटी सीमा की शादी पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से हुई। बारात आई, द्वारचार हुआ, कन्यादान हुआ और बेटी हंसी-खुशी विदा हुई। मोहल्ले के लोग भी यह देखकर हैरान थे कि एक मामूली श्रमिक की बेटी की शादी इतने अच्छे से कैसे हो गई।

बड़ा सपना और सबसे बड़ा डर दोनों होता है। सरकार ने हमारी बेटी का कन्यादान कर के हमारा डर खत्म कर दिया। अब हम दूसरी बेटी की शादी के लिए भी निश्चित हैं। सरकार ने हम जैसे श्रमिकों को सच में सहारा दिया है। ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना प्रदेश के लाखों पंजीकृत कारखाना श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है। सरकार द्वारा श्रमिको के कल्याण के लिए संचालित ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना के अन्तर्गत 24,000 रुपये से कम मासिक आय वाले श्रमिकों को पुत्री के विवाह हेतु 51,000 रुपये की सहायता देती है। यह योजना साबित करती है कि सरकार श्रमिकों के सुख-दुख में साथ खड़ी है। रमेश की बेटी की हंसी और उनके परिवार का सम्मान ही ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना की सबसे बड़ी सफलता है।

-सोनी सिंह, सूचना अधिकारी

मेष -मेष राशि आज आपको बातचीत और निर्णय लेने के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। कार्यक्षेत्र में पहले से अधूरे पड़े कार्य दोबारा आपके सामने आ सकते हैं। व्यापार करने वाले लोगों को पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है, जबकि नए समझौते सोच-समझकर करना उचित रहेगा। पारिवारिक वातावरण सामान्य रहेगा और पुराने मतभेद दूर होने के संकेत मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन में सहयोग बना रहेगा।

वृषभ-आर्थिक मामलों में आज संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक रहेगा। खर्चों में बढ़ोतरी की संभावना है, इसलिए बजट पर विशेष ध्यान दें। व्यापार में पहले किए गए निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। नौकरी करने वाले लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यवहार में संयम रखना चाहिए।

मिथुन -आज किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने से बचें। कार्यक्षेत्र में पुराने अवसर दोबारा मिल सकते हैं, जिनका उचित लाभ उठाया जा सकता है। व्यापार में धैर्य बनाए रखना आवश्यक रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

कर्क -लंबे समय से रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिए आज का दिन अनुकूल माना जा सकता है। दूर स्थान या विदेश से जुड़े कार्यों में कुछ देरी संभव है। कार्यक्षेत्र में किसी भी दस्तावेज को ध्यानपूर्वक जांचने के बाद ही आगे बढ़ें।

सिंह -आज मित्रों और सहकर्मियों के साथ सामंजस्य बनाए रखने से कार्यों में सफलता मिलेगी। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। व्यापार में अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कन्या-कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए धैर्य और समझदारी के साथ अपने कार्य पूरे करें। व्यापार में पुराने ग्राहकों से लाभ मिलने की संभावना बनी रहेगी। पारिवारिक जीवन में विश्वास और सहयोग का वातावरण बना रहेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से गर्दन या कंधों में हल्की परेशानी महसूस हो सकती है, इसलिए शरीर को पर्याप्त आराम दें।

तुला-आज भाग्य आपका साथ दे सकता है, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना अधिक लाभकारी रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में पुराने अनुभव आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। परिवार में धार्मिक और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहने की संभावना है।

वृश्चिक-धन और निवेश से जुड़े मामलों में आज विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आवश्यक दस्तावेजों से जुड़े कार्यों में देरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गोपनीय बातों को साझा करने से बचें। व्यापार में धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी से बचें।

धनु -साझेदारी से जुड़े मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सामूहिक प्रयासों से सफलता मिलने की संभावना है। व्यापार में पुराने सहयोगियों का साथ लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

मकर-कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी गलतियों से बचने का प्रयास करें। संवाद की कमी के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। व्यापार में पुराने कार्यों को समय पर पूरा करने पर ध्यान दें। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ-रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों को पुराने विषयों की दोबारा तैयारी करने से लाभ होगा। नौकरी में नई योजनाओं को फिलहाल स्थगित रखना उचित रहेगा।

मीन-पारिवारिक मामलों में धैर्य और समझदारी से काम लेना लाभदायक रहेगा। संपत्ति या वाहन से जुड़े कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका अनुभव आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। व्यापार में परिवार का सहयोग मिलेगा।

घरेलू श्रम को सम्मान से मातृशक्ति को मिलेगी प्रतिष्ठा

भारतीय समाज में गृहिणियों को हमेशा से परिवार की धुरी माना जाता रहा है, किंतु घरेलू कार्यों में उनके अथक योगदान के बावजूद वे कभी आर्थिक विमर्श का केंद्र नहीं रहीं। इसी संदर्भ में हाल ही में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाली गृहिणियों के मुआवजे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया कि घरेलू कार्य करने वाली महिलाएं राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनके श्रम का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। महिलाओं के घरेलू कार्यों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 17 प्रतिशत हिस्सेदारी मानी जाती है। ऐसे में निश्चित रूप से किसी गृहिणी के वास्तविक

योगदान का मूल्य आंका जाना बेहद जरूरी है, दरअसल ,यह फैसला घरेलू श्रम को सम्मान और पहचान दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। साथ ही यह उस रूढ़िवादी सोच पर भी प्रहार है, जो महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अनुत्पादक मानती रही है।दरअसल भारतीय समाज में एक अजीब भ्रम लंबे समय से रहा है कि घर अपने आप चलता है। रसोई में खाना खुद बनता है, बच्चे अपने आप बड़े हो जाते हैं और कपड़े खुद धुल जाते हैं। लेकिन असल में इस चमत्कार का नाम है गृहिणी। उसे हर काम करते हुए देखा जाता है, किंतु कमाते हुए नहीं माना जाता। बीते दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस भ्रम को तोड़ा था। जब अदालत ने कहा कि नौकरी न करने वाली पत्नी को 'बेकार' नहीं कहा जा सकता। यह केवल कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सामाजिक आईना है। इसमें वह चेहरा साफ दिखता है, जिसे समाज देखने से बचता रहा है। एक गृहिणी का श्रम भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा अदृश्य स्तंभ है।हाल के अध्ययनों से भी स्पष्ट होता है कि घरेलू श्रम का आर्थिक महत्व बेहद बड़ा है।

भारत के 2024 के समय-उपयोग सर्वेक्षण के अनुसार महिलाएं प्रतिदिन औसतन 305 मिनट (करीब 5 घंटे) अवैतनिक घरेलू सेवाओं में लगाती हैं, जबकि पुरुष औसतन 98 मिनट ही देते हैं। वे परिवार के सदस्यों की देखभाल जैसे अवैतनिक देखभाल कार्यों में भी पुरुषों की तुलना में कई गुना अधिक समय व्यतीत करती हैं। दूसरी ओर, 2024 की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी में सुधार के बावजूद वेतनयुक्त कार्यों के साथ-साथ घरेलू जिम्मेदारियों का असमान बोझ बना हुआ है। साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में भी पाया गया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गृहिणियां भोजन बनाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल, सफाई, पानी और अन्य घरेलू प्रबंधन जैसे कार्यों में प्रतिदिन कई घंटे लगाती हैं, जिनका बाजार मूल्यांकन किया जाए तो परिवारों को इसके लिए बड़ी राशि खर्च करनी पड़े। अनेक अर्थशास्त्री मानते हैं कि यदि अवैतनिक घरेलू श्रम को राष्ट्रीय आय के आकलन में शामिल किया जाए।

पारिवारिक त्याग की अनदेखी कर आज़ादी की चाह

फरीदाबाद में राहुल नाम के लड़के ने आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने वीडियो बनाया और कहा कि वह घर के सारे काम करता है, व्यापार भी करता है, फिर भी उसकी पत्नी उसे मारती-पीटती है। दूसरा किस्सा पुणे के केतन का है, कहा गया कि उसकी मंगेतर सिया ने अपने मित्र चेतन की मदद से उसे लोहागढ़ पहाड़ी से धक्का दे दिया। सिया इस रिश्ते से खुश नहीं थी क्योंकि केतन के सिर पर बाल नहीं थे और वह हकलाता भी था। इन दोनों मामलों में युवाओं ने जान गंवाई। इनके घर वालों, परिजनों पर क्या गुजरी, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। मगर अफसोस की बात ये है कि इन दोनों की मृत्यु को स्त्री अधिकारों के नाम पर सेलिब्रेट किया गया। कहा गया कि अब तक स्त्रियां सहती रही हैं, मगर अब वे बदला ले रही हैं। मुस्कान सोनी नाम की दांतों की डॉक्टर ने तो बाकायदा केतन की मौत का मजाक उड़ाया कि उसके साथ तो ऐसा होना ही था और हा-हा-हा करते वीडियो पोस्ट किया। हालांकि बाद में इस डॉक्टर ने माफी भी मांगी।जब हम

अधिकारों की बात करते हैं, तो उनका अर्थ हमारे दैनंदिन जीवन की सुविधाओं से जुड़ा होता है। छोटे, बड़े की भावना को खत्म करने की बात होती है। लेकिन मृत्यु पर हंसना, मीम्स बनाना, कहना कि वक्त आ गया है कि अब स्त्रियों को अपने प्रति किए गए हर अपराध का बदला लेना चाहिए, कितना दुखद है। अंग्रेजी की एक बड़ी लेखिका और एक बड़े लेखक ने तो यह तक कहा कि सिया ने केतन को मारा, इसके लिए सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि हमारे परिवारों का ढांचा जिम्मेदार है। जहां लड़कियों को कुछ करने की आजादी नहीं। वे न अपनी मर्जी से शादी कर सकती हैं, न देर रात लौट सकती हैं, न शराब पी सकती हैं। ऐसा कहने वाले वे लोग हैं, जो बहुत अच्छी आर्थिक स्थिति वाले हैं। जिनके इर्द-गिर्द सेवकों और सिक्योरिटी गार्ड्स की पूरी फौज है, लेकिन ज्ञान वे उन आम लड़कियों को दे रहे हैं, जो अमूमन अपराध की जद में होती हैं। 'अपनी सुरक्षा अपने हाथ' वाली कहावत इन पर चरितार्थ होती है। फिर देर रात तक पार्टी करना या शराब पीना आम लड़कियों का जीवन नहीं है। और क्या स्त्रियों के लिए शराब पीना इतनी अच्छी बात है। फिर ऐसा क्यों है कि अक्सर महिलाएं अपने घर के आसपास शराब के ठेके खुलने का विरोध करती हैं। शराबबंदी की मांग करती हैं क्योंकि शराब के कारण ही उनके पति तरह-तरह की हिंसा करते हैं। यदि वे पैसे भी कमाएं, तो उनके पैसे शराब पीने के लिए छीन लिए जाते हैं। उन्हें घर से बाहर निकाल दिया जाता है। गांधी जी जिन्होंने कहा था कि शराब आत्मा का नाश करती है, उनकी इस शिक्षा को भी लोग भूल गए हैं। डाक्टरों की सलाह भी याद नहीं रखते, जो कहते हैं कि शराब पीने से शरीर के तमाम अंगों पर प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य भी खराब होता है। यदि इन लोगों की मानें तो देश में चलने वाले जितने नशा मुक्ति केंद्र हैं, उन्हें बंद कर देना चाहिए। लेकिन 'माई लाइफ और माई च्वाइस' का विचार एलीट स्त्री-पुरुषों के मन में इतना बसा हुआ है कि वे अपनी शर्तों को दूसरों पर लाद रहे हैं और इन्हें ही दूसरों की च्वाइस बता रहे हैं। वे सिया का बचाव करते हुए उसके घर वालों और हर एक के घर वालों को दोष दे रहे हैं। पश्चिम का उदाहरण बार-बार दिया जा रहा है कि वहां देखो स्त्रियों को कितनी आजादी है। क्या सचमुच! अपने यहां माता-पिता बच्चों को हमेशा बच्चा मानते हुए, उनकी सुरक्षा की चिंता करते हैं। उनकी पढ़ाई-लिखाई का खर्चा उठाते हैं। पढ़ने के लिए विदेश भेजते है। करोड़ों रुपये का लोन लेते हैं, उसे खुद चुकाते हैं। बच्चों के लिए घर बनाते हैं। यानि कि अपनी उम्र और सारे संसाधन वे बच्चों के लिए लगा देते हैं, जिससे उनका जीवन आसान हो सके। माता-पिता के सारे संसाधन चाहिए, लेकिन जीवन अपनी शर्तों पर जीना है। कौन रोकता है, लेकिन फिर संसाधन भी खुद जुटाइए। माता-पिता की जमीन-जायदाद में भी हिस्सा मत मांगिए। बीमारी-हारी में भी अपनी मदद खुद कीजिए। ड्रीम वैडिंग करना हो, तो खुद पैसे जुटाइए। उनके सम्पर्कों का भी लाभ मत उठाइए।अधिकार बिना कर्तव्यों के नहीं मिलते। सिर्फ कर्तव्य ही नहीं, अधिकारों की कीमत भी चुकानी पड़ती है। लेकिन आजादी के नाम पर कीमत कोई चुकाना नहीं चाहता। हां मन की बात न हो, तो हत्या की जा सकती है। अतिवादी लोग इसे जायज ठहराने के लिए झंडा बुलंद कर सकते हैं। विदेश में लोन लेकर पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता इस कर्ज को नहीं चुकाते। विदेशों में कई ऐसे आदमियों से मिली, जिनकी उम्र पचास के पार है, लेकिन अभी तक वे अपनी पढ़ाई के लिए उठाए गए कर्ज को चुका रहे हैं। भारत में तो माता-पिता की हालत ये है कि ताउम्र खटते भी हैं और पिटते भी हैं। बातें बनाते रहिए कि बुजुर्गों के लिए क्या-क्या होना चाहिए। विमर्शों की नकारात्मकता कितनी है कि जहां मौत का भी जश्न मनाया जाए।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान खैराबाद में विदाई एवं सम्मान समारोह संपन्न

अपने कर्तव्यों और दायित्वों को निभाने में कोई विलम्ब न करें :- संतोष कुमार मिश्रा वरिष्ठ प्रवक्ता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर स्थानीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ तथा पूर्व माध्यमिक जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद के द्वारा संयुक्त रूप से पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार मिश्र की पदोन्नति एवं रायबरेली के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर स्थानांतरण के अवसर पर विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित, प्रवक्ता मनीष पांडेय, ज़िला उपाध्यक्ष प्राथमिक वंदना दीक्षित, डॉक्टर अनुपम मिश्र, ब्लॉक अध्यक्ष जूनियर नरेश मिश्रा, प्राथमिक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, संरक्षक बृजेन्द्र कुमार टी पी सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष काजिम हुसैन सिद्दीकी, राज्य पुरस्कार प्राप्त नीलम कुमारी, ए आर पी संजीव पटेरिया, वीरेन्द्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक योगेन्द्र पांडेय ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर मालार्पण एवं द्वीप प्रज्जवलित करके पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार मिश्र एवं अन्य ने किया तत्पश्चात मुख्य अतिथि का माल्यार्पण तथा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तथा सरस्वती वंदना रुबीना बानो, नीलम कुमारी, शशि बाला ने कराई,ज्ञात हो कि संतोष कुमार मिश्र ने खैराबाद ब्लॉक में 2 अगस्त 2024 को कार्यभार ग्रहण किया था इससे पहले श्री मिश्र महोली, कसमंडा, आदि ब्लॉक में भी रह चुके थे जबकि पहली नियुक्ति 1998 में हुई थी।,श्री मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि मैंने कभी किसी को बिला वजह परेशान नहीं किया और किसी को कार्यालय बुलाने का भी कार्य न करके सीधे उसके कार्य को पूरा किया ताकि उसे दौड़ना न पड़े , यहां के शिक्षकों में प्रेम और संस्कार बहुत अच्छे हैं दूसरों की इज़्ज़त और उनका सम्मान करने में कोई कमी नहीं रखते विशेष रूप से आज की यह शिक्षकों की भीड़ और प्रेम व उत्साह को देख कर बहुत प्रसन्नता हुई है और सभी को आशीर्वाद देता हूं कि आप लोग सदैव स्वस्थ रहें और प्रसन्न रहें। इस अवसर पर दोनों संगठनों की ओर से ढेरों उपहार दिए गए तथा व्यक्तिगत रूप से भी शिक्षिकाओं तथा शिक्षकों ने दिया जबकि संकुल धरैंचा की ओर से श्री मिश्र को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने के लिए पण्डित दीन दयाल उपाध्याय अवार्ड से सम्मानित किया गया। नोडल संकुल शिक्षक काज़िम हुसैन तथा संकुल शिक्षक हसन जमाल रिज़वी फ़ैज़ुल हसन, रुचि तिवारी सरिता रानी वर्मा सुरेंद्र कुमार जितेन्द्र कुमार मनी तिवारी ने स्मृति चिन्ह तथा उपहार देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पंकज कुमार रावत रमेश रस्तोगी आलोक कुमार प्रमोद यादव पवन कुमार सिंह मंत्री अमित त्रिपाठी सौरभ जायसवाल जमशेद आलम प्रदेश अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित ने कहा कि शिक्षकों के पार्टी इतना लगाव और सहयोग करने वाला अधिकारी नहीं देखा वाक़ई श्री मिश्र सम्मान पाने के हकदार हैं जबकि टी पी सिंह और मनीष पांडेय ने आपके साहस और आपकी हिम्मत की सराहना करके हमेशा याद रखने की बात कही, अन्य संबोधन करने वालों में काज़िम हुसैन,इशरत अली, रुबीना बानो, नीलम कुमारी, वंदना दीक्षित,अनुपम मिश्र, संजीव पटेरिया, वीरेन्द्र, प्रतिमा मिश्रा आदि हैं जबकि स्वागत भाषण नरेश मिश्रा ने तथा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन पवन कुमार सिंह ने व्यक्त किया।

साहित्य सृजन संस्थान, बिसवां द्वारा जरूरतमंद, मेधावी बच्चों को निःशुल्क वितरित की गईं पाठ्य पुस्तकें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) शैक्षिक, सामाजिक, साहित्यिक सरोकारों को समर्पित अ. भा. संस्था 'साहित्य सृजन संस्थान' द्वारा क्षेत्र बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए बिसवां में निकट पशु चिकित्सालय, तहसील रोड पर स्थापित 'सृजन पुस्तकालय' में (हाई स्कूल इंटर के छात्र, छात्राओं को) निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका, चेयरमैन, पुष्पू जायसवाल उपस्थित रहे। संस्थान द्वारा उन्हें अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समाजसेवी गिरिधर अग्रवाल, सौरभ बंसल के द्वारा कृष्णा देवी गर्ल्स कॉलेज की कुछ छात्राओं को उनकी पाठ्यक्रम की पुस्तकें, स्टेशनरी और स्कूल बैग प्रदान किया गया। इसी क्रम में कुछ अन्य बच्चों को उनकी स्कूल किट उनके विद्यालय भेजी गई। इस अवसर चेयरमैन ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकालय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हैं और एक प्रबुद्ध पाठक वर्ग का निर्माण करते हैं। सृजन पुस्तकालय का यह प्रयास सराहनीय है। हमारी शुभकामनाएं और भरपूर सहयोग संस्थान को सदैव सुलभ रहेगा। संस्थान के संस्थापक / अध्यक्ष साहित्यकार संदीप मिश्र सरस ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र के मेधावी जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूल बुक किट उपलब्ध कराई जाती है। ये बच्चे अपनी मेधा के बल पर सफलता अर्जित करके बिसवां का नाम पूरी दुनिया में जब रोशन करेंगे तो हमारे संस्थान का संकल्प सार्थक हो जाएगा। कार्यक्रम में कृष्णा देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी, उप प्रधानाचार्य उषा मिश्रा, गंगा स्वरूप मिश्र, एडवोकेट मनोज गुप्ता, श्रीकांत मिश्रा, नीरज मिश्रा सभासद, हरिशंकर त्रिवेदी मुकुंद पांडेय, अमन बाजपेई आदि एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पुस्तकालय में विभिन्न भाषाओं की साहित्यिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, दार्शनिक पुस्तकों के साथ-साथ पर्याप्त कंपटीशन बुक्स की व्यवस्था है। प्रतिवर्ष विभिन्न महाविद्यालयों के अन्यान्य शोध छात्र छात्राएं पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध पुस्तकों से अपने लघु शोध प्रबंध तैयार करते हैं। सृजन पुस्तकालय द्वारा समय-समय पर बच्चों को विभिन्न स्कूल, कोचिंग सेंटर में एडमिशन एवं छूट का सहयोग दिलाया जाता है और छात्र-छात्राओं के लिए मोटिवेशनल क्लासेस एवं करियर काउंसलिंग के प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। अब पुस्तकालय में कंप्यूटर प्रशिक्षण की भी व्यवस्था संचालित हो गई है।

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा को महापौर सुषमा खर्कवाल ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने मंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर नगर निगम लखनऊ के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी' सहित कई पार्षद भी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने मंत्री ए.के. शर्मा को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और यशस्वी जीवन की कामना की। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि ए.के. शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में नगर विकास, शहरी आधारभूत सुविधाओं और जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। महापौर ने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि मंत्री को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा का निरंतर सामर्थ्य प्राप्त हो तथा उनके नेतृत्व में प्रदेश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे।

बीजेएसपी जिला अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जताया आक्रोश

अभियुक्त महेन्द्र सोनी के खिलाफ डीजीपी , पुलिस आयुक्त मुंबई, नोडल अधिकारी साइबर क्राइम और SP बांदा को भेजा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने फोन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष को सूचना दी कि जब वे गांव स्योंढा जा रहे थे तो कुछ लोगों ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि 'मरवा जाओगे, ऐ होगा वो होगा। इस गंभीर मामले पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह ने कहा कि पार्टी पहले ही इस संबंध में अभियुक्त महेन्द्र सोनी निवासी मुंबई कथित RSS कैडर के विरुद्ध शिकायत पत्र तैयार कर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, पुलिस आयुक्त मुंबई, नोडल अधिकारी साइबर क्राइम उत्तर प्रदेश लखनऊ और पुलिस अधीक्षक बांद को स्पीडपोस्ट के माध्यम से भेज चुकी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह का बयानः BJSP के कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने वाले चाहे कितने भी बड़े हों, हम डरने वाले नहीं हैं। हमने शिकायत पत्र सभी बड़े अधिकारियों को भेज दिया है।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह ने आज बताया कि जिला बांदा के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव को कुछ अराजक तत्वों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है। आज दिनांक 11.07.2026 को सुबह 9:35 बजे जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने फोन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष को सूचना दी कि जब वे गांव स्योंढा जा रहे थे तो कुछ लोगों ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि 'मरवा जाओगे, ऐ होगा वो होगा ।

इस गंभीर मामले पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह ने कहा कि पार्टी पहले ही इस संबंध में अभियुक्त महेन्द्र सोनी निवासी मुंबई कथित RSS कैडर के विरुद्ध शिकायत पत्र तैयार कर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, पुलिस आयुक्त मुंबई, नोडल अधिकारी साइबर क्राइम उत्तर प्रदेश लखनऊ और पुलिस अधीक्षक बांद को स्पीडपोस्ट के माध्यम से भेज चुकी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज मोहन सिंह का बयानः BJSP के कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने वाले चाहे कितने भी बड़े हों, हम डरने वाले नहीं हैं। हमने शिकायत पत्र सभी बड़े अधिकारियों को भेज दिया है। महेन्द्र सोनी और उसके आदमी जिला अध्यक्ष का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। हम रजिस्टर्ड पार्टी हैं और कानून के दायरे में रहकर काम करते हैं। अगर जिला अध्यक्ष को एक खरोंच भी आई तो BJSP पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। पुलिस प्रशासन से मांग है कि 24 घंटे में दोषियों को गिरफ्तार कर सुरक्षा मुहैया कराई जाए।' राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिला अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उन्हें किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।भारतीय जन समाज पार्टी की मांगः 1. तत्काल FIR दर्ज कर अभियुक्त महेन्द्र सोनी और उसके साथियों की गिरफ्तारी हो। 2. जिला अध्यक्ष राजेश कुमार यादव को तत्काल सुरक्षा प्रदान की जाए। 3. साइबर सेल द्वारा धमकी देने वालों की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए।

बक्शी का तालाब इंटर एवं कृषि महाविद्यालय मे वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- वृक्षारोपण महाअभियान एक पेड़ मां के नाम पर इंटर कॉलेज एवं चंद्रभान गुप्त कृषि महाविद्यालय में वृक्षारोपण महा अभियान की शुरुआत की गई। बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज के प्रांगण में डॉ बी पी राम निदेशक उद्यान विभाग उत्तर प्रदेश शासन, डॉ डीपी सिंह जिला उद्यान अधिकारी, दिलीप कुमार वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक, रमेश यादव प्रभारी उद्यान बीकेटी आदि के साथ विद्यालय प्रधानाचार्य अशोक कुमार बाजपेई पूर्व प्रधानाचार्य डॉ ? के के शुक्ला,डॉ ? राजेश मिश्रा, पन्नालाल गुप्ता, अनिल कुमार गौतम, हरिश्चंद्र सिंह रामजी यादव, अजय कुमार, चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के डॉ जसकरन, डॉ हृदय नारायण तिवारी, रणजीत सिंह, प्रेम बाबू चौरसिया तथा विद्यालय के सभी कर्मचारी व छात्र- छात्राओं ने बड़े उत्साह से वृक्षारोपण किया और उनकी सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड लगाए। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज में देसी आम , नीम महुआ, कैथा, बेल चिलवल तथा बालम खीरा, सहजन, अमरूद सहित 51 पौधे रोपित किए गए तथा चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के हाजीपुर कृषि फार्म पर 100 से अधिक पौधे लगाए गए।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा, बूथ सशक्तीकरण पर रहेगा पूरा फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम तेज कर दिया है। नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के बाद शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में आगामी चुनावी तैयारियों, बूथ सशक्तीकरण और जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने नई कार्यकारिणी तथा विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा की और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय बनाने पर जोर दिया। पार्टी ने प्रत्येक बूथ को भाजपा की जीत का मजबूत आधार बनाने और विपक्ष के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाने का निर्णय लिया।

मलिहाबाद में 30 वर्षीय युवक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता, पुलिस ने जारी की गुमशुदगी की सूचना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर आमजन से सहयोग की अपील की है। मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी के अनुसार, पंकज 5 जुलाई की रात करीब 12 बजे से लापता हैं। उनका पता मोहल्ला बस्ती धनवन्तराय कस्बा, थाना मलिहाबाद, जनपद लखनऊ बताया गया है।

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला बस्ती धनवन्तराय कस्बा निवासी 30 वर्षीय पंकज पुत्र श्रीराम बीती 5 जुलाई 2026 की रात से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं। युवक के अचानक गायब होने से परिजनों में चिंता का माहौल है। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर आमजन से सहयोग की अपील की है। मलिहाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी के अनुसार, पंकज 5 जुलाई की रात करीब 12 बजे से लापता हैं। उनका पता मोहल्ला बस्ती धनवन्तराय कस्बा, थाना मलिहाबाद, जनपद लखनऊ बताया गया है। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस द्वारा जारी गुमशुदगी सूचना के अनुसार, पंकज का रंग सांवला, चेहरा गोल, शरीर दुबला-पतला तथा कद लगभग 5.5 फीट है। पुलिस ने यह भी बताया है कि उनकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं बताई गई है, जिसके चलते उनकी सुरक्षित बरामदगी को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मलिहाबाद पुलिस लगातार युवक की तलाश में जुटी हुई है और संभावित स्थानों पर जांच की जा रही है। आसपास के थानों को भी सूचना भेजी गई है ताकि युवक का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को पंकज के संबंध में कोई भी जानकारी मिले या वह कहीं दिखाई दें, तो तत्काल थाना मलिहाबाद पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि नागरिकों की एक छोटी-सी सूचना भी युवक को सकुशल खोजने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

मुख्यमंत्री योगी के संभावित आगमन से गोविंद साहब धाम में हलचल तेज, तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आलापुर, अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र स्थित महात्मा गोविंद साहब की पावन तपोस्थली अहिरौली गोविंद साहब के संभावित दौरे को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं और स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यदि गोविंद साहब धाम पहुंचते हैं तो माना जा रहा है कि वह संत परंपरा और सामाजिक समरसता का संदेश देने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कर सकते हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि महात्मा गोविंद साहब की तपोस्थली का व्यापक कायाकल्प कराया जाएगा तथा इसे प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में विकसित करने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया जा सकता है। क्षेत्रवासियों को यह भी आशा है कि पूर्वांचल के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध गोविंद साहब मेले को राजकीय मेले का दर्जा प्रदान करने की घोषणा हो सकती है। वर्षों से चली आ रही इस मांग के पूरी होने से धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी बड़ा लाभ मिलेगा। इसी के साथ रामनगर, कटेहरी और भीटी बाजार को नगर पंचायत बनाए जाने की चर्चाएं भी तेज हैं। विशेष रूप से रामनगर को नगर पंचायत बनाए जाने की सभी आवश्यक कागजी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शासन स्तर पर अंतिम स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे के दौरान इस संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

मछरेहटा में नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी का भव्य स्वागत कार्यक्रम जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ द्वारा सम्पन्न

शिक्षकों को किसी प्रकार की कोई समस्या हो तत्काल बताएं सिमी निगार खण्ड शिक्षा अधिकारी मछरेहटा

मछरेहटा सीतापुर नवागत खण्ड शिक्षा अधिकारी के प्रथम दिन पने कार्यालय में आगमन पर जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ मछरेहटा ने खण्ड शिक्षा अधिकारी सिमी निगार मैडम का उनके कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया,इस दौरान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों द्वारा मैडम को बुके भेंट कर अत्यंत आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह के उपरांत शिक्षक संघ और खण्ड शिक्षा अधिकारी के बीच ब्लॉक में शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर एक सकारात्मक बैठक हुई। जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष पवन शुक्ल व प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष मुकेश दीक्षित द्वारा आदरणीया खंड शिक्षा अधिकारी महोदया से बीआरसी व विद्यालय स्तर शिक्षकों की समस्याओं पर सार्थक चर्चा हुई, महोदया ने आशान्वित किया कि शिक्षकों की समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जाएगा। इस स्वागत कार्यक्रम में पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ मछरेहटा के अध्यक्ष पवन शुक्ल,मंत्री सुनील यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष मुकेश दीक्षित, प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष संदीप यादव जी,उपाध्यक्ष आरती श्रीवास्तव जी,कोषाध्यक्ष राशिद हुसैन,वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरज मिश्रा,लोकेंद्र कटारा, सियालाल,संतोष शुक्ल जी सहित ब्लॉक कार्यकारिणी के तमाम सम्मानित पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राजेन्द्र कुमार गुप्ता आयु लगभग 49 वर्ष पुत्र स्व0 सिया राम गुप्ता, निवासी 543/85 पीएन-78बी, संगम नगर, कश्मीरी बाग, मल्हपुर, राजाजीपुरम्. लखनऊ, उ0प्र0- 226017 मै उपरोक्त पते का स्थायी निवासी एवं भारतीय नागरिक है। मेरी पुत्री शुभी गुप्ता (Shubhi Gupta) ने हाईस्कूल की परीक्षा COUNCIL FOR THE INDIAN SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATIONS, NEW DELHI से सन् 2026 में उत्तीर्ण की थी। जिसका यूनिक आई0डी0 (रजि0 नंबर)-8779035 व अनुक्रमांक- 1268196 है। यह कि शपथी की पुत्री के हाईस्कूल के अंक प्रमाण-पत्र में उसकी माता का नाम त्रुटिवश KUSHBOO GUPTA अंकित हो गया है जबकि शपथी की पुत्री की माता का सत्य, सही व वास्तविक नाम KHUSHBOO GUPTA है, जो कि शपथी की पुत्री की माता के आधार कार्ड में अंकित है। अपनी पुत्री के उक्त वर्णित हाईस्कूल के अंक प्रमाण-पत्र में अपनी पुत्री की माता का नाम KUSHBOO GUPTA के स्थान पर KHUSHBOO GUPTA अंकित करवाना चाहता है. जो कि शपथी की पुत्री की माता का सत्य, सही व वास्तविक नाम है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर युवाओं को योगी सरकार का तोहफा, 74 जिलों में लगेंगे वृहद रोजगार मेले

13 और 14 जुलाई को आयोजित होंगे रोजगार मेले, 'जीरो पॉवर्टी' अभियान के युवाओं और दिव्यांगजनों को मिलेगी विशेष प्राथमिकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'हर हाथ को हुनर, हर हुनर को रोजगार' संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (क्क्ष्छरू) 13 और 14 जुलाई को प्रदेश के 74 जिलों में वृहद राज्य स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन करेगा। इन रोजगार मेलों के माध्यम से प्रशिक्षित एवं शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में कौशल विकास को नई पहचान दिलाई है। आज उत्तर प्रदेश के आईटीआई और स्किल सेंटर से प्रशिक्षित युवा देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 74 जिलों में एक साथ आयोजित रोजगार मेले 'हर हुनर को सम्मान, हर युवा को रोजगार' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार 'जीरो पॉवर्टी अभियान' के तहत चिन्हित अत्यंत गरीब परिवारों के युवाओं और दिव्यांगजनों को रोजगार मेलों में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े युवाओं तक रोजगार के अवसर पहुंचाना है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि रोजगार मेलों का आयोजन जिला स्तर पर मुख्य विकास अधिकारियों (सीडीओ) तथा कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयकों के समन्वय से किया जाएगा। जिलाधिकारियों को कार्यक्रम स्थल चयन, निजी उद्योगों एवं कंपनियों को आमंत्रित करने तथा प्रशिक्षित युवाओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन रोजगार मेलों में प्रदेश का कोई भी इच्छुक युवा-युवती भाग ले सकता है। यूपीएसडीएम, डीडीयू-जीकेवाई (DDU-GKY) तथा 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत प्रशिक्षित युवाओं के अलावा औपचारिक शिक्षा पूरी कर चुके युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। 'जीरो पॉवर्टी अभियान' से जुड़े युवाओं को चयन प्रक्रिया में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। रोजगार मेलों में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैंप, सुगम आवागमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी मेला स्थलों पर क्यूआर कोड की व्यवस्था होगी। सुरक्षा के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती तथा पर्याप्त पुलिस बल भी मौजूद रहेगा। मिशन निदेशक ने बताया कि प्रत्येक रोजगार मेले के समापन के बाद संबंधित जिला प्रशासन चयनित एवं नियुक्त युवाओं की अंतिम रिपोर्ट मिशन मुख्यालय को भेजेगा, ताकि रोजगार उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी की जा सके।

नई रणनीति के साथ विधानसभा चुनावी मैदान में उतरी सपा, हर बूथ पर तैयार होंगे 50 डिजिटल योद्धा

लखनऊ। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) ने प्रदेशव्यापी घर-घर संपर्क अभियान की शुरुआत कर दी है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर जिला एवं शहर इकाइयों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके जरिए सपा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ-साथ डिजिटल नेटवर्क का भी विस्तार करेगी। पार्टी की रणनीति के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के गांवों, कस्बों और शहरी मोहल्लों में कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे। इस दौरान पार्टी की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और भावी चुनावी घोषणाओं से संबंधित पत्रक वितरित किए जाएंगे। साथ ही आमजन को यह बताया जाएगा कि सपा की सरकार बनने पर प्रदेश में किस प्रकार के विकास और जनहितकारी कार्य किए जाएंगे। सपा की योजना के अनुसार प्रत्येक बूथ पर 50 नए 'डिजिटल योद्धा' जोड़े जाएंगे।

यूएफसी इवेंट पर हमले की साजिश का खुलासा

अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले महीने यूएफसी कार्यक्रम पर कथित साजिश के संबंध में देश के अलग-अलग हिस्सों ओहायो, मिसौरी, वाशिंगटन, नेब्रास्का और कैलिफोर्निया में कई आपराधिक शिकायतों की घोषणा की थी।बृहस्पतिवार को घोषित यह अभियोग सरकार की ओर से पूरे मामले को एक साथ जोड़कर ओहायो में एक ही मुकदमे के रूप में चलाने का प्रयास है।

वाशिंगटन, डी.सी.(एजेंसी)।अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में जून में आयोजित 'यूएफसी केज-फाइटिंग' कार्यक्रम पर ड्रोन और स्नाइपर हमले की कथित साजिश में संलिप्तता को लेकर बृहस्पतिवार को आठ लोगों पर हत्या और आतंकवाद संबंधी षड़यंत्र के आरोप लगाए गए। यूएफसी द्वारा आयोजित इस मिश्रित मार्शल आर्ट्स मुकाबले में लड़ाकू एक लोहे की जाली से घिरे अष्टकोणीय पिंजरे के अंदर मुकाबले करते हैं। ओहायो में दायर अभियोग में सभी आठ आरोपियों पर दो अलग-अलग साजिशों का आरोप लगाया गया है।पहला आरोप आतंकवादियों को सहायता उपलब्ध कराने की साजिश और दूसरा आरोप संघीय सरकारी क्षेत्र में हत्या करने एवं एक संघीय सरकारी अधिकारी की हत्या करने की साजिश है।नए अभियोग के अनुसार, इस साजिश की शुरुआत मई में हुई थी, जब इस समूह ने धन, आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद, बुलेटप्रूफ जैकेट, विस्फोटक, ड्रोन, चिकित्सा उपकरण, संचार उपकरण और अन्य सामान इकट्ठा करना शुरू किया। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूएफसी केज-फाइटिंग कार्यक्रम पर संभावित खतरे की 10 जून को जानकारी मिली। यह मिश्रित मार्शल आर्ट्स कार्यक्रम 14 जून को आयोजित होना था। अमेरिकी न्याय विभाग ने पिछले महीने यूएफसी कार्यक्रम पर कथित साजिश के संबंध में देश के अलग-अलग हिस्सों ओहायो, मिसौरी, वाशिंगटन, नेब्रास्का और कैलिफोर्निया में कई आपराधिक शिकायतों की घोषणा की थी।बृहस्पतिवार को घोषित यह अभियोग सरकार की ओर से पूरे मामले को एक साथ जोड़कर ओहायो में एक ही मुकदमे के रूप में चलाने का प्रयास है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों का उद्देश्य हमले के जरिए सरकार को अस्थिर करना था। संघीय हलफनामे के अनुसार, आरोपियों में से एक ने जांचकर्ताओं को बताया कि उनकी योजना विस्फोटकों से लदे ड्रोन कार्यक्रम स्थल पर उड़ाने और उसके बाद भगदड़ मचने पर भाग रहे लोगों पर स्नाइपर से गोलीबारी करने की थी।

140 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित जैसलमेर रेलवे स्टेशन तैयार, मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

हेरिटेज वास्तुकला के साथ आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित स्टेशन बनेगा पश्चिमी राजस्थान की नई पहचान

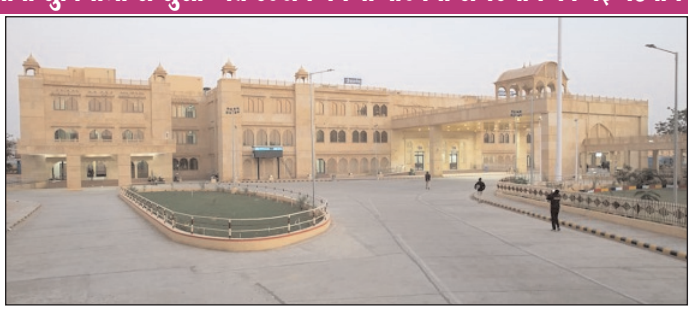

जैसलमेर(एजेंसी)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित जैसलमेर रेलवे स्टेशन पूरी तरह तैयार हो गया है। हेरिटेज वास्तुकला और आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस यह स्टेशन अब पश्चिमी राजस्थान की नई पहचान बनने जा रहा है। इसके संचालन से यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने के साथ पर्यटन, स्थानीय व्यापार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि स्टेशन का नया मुख्य भवन जी+2 संरचना में करीब 8,327 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित किया गया है। भवन के बाहरी हिस्से में जैसलमेर के प्रसिद्ध स्वर्णिम पीले पत्थर का उपयोग किया गया है, जिससे स्टेशन को शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप भव्य हेरिटेज स्वरूप मिला है। विशाल प्रवेश और निकास द्वार इसकी आकर्षक पहचान को और मजबूत बनाते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर 10 लिफ्ट, 10 एस्केलेटर, छह मीटर चौड़ाई वाले दो फुट ओवरब्रिज, विशाल एयर कॉनकोर्स, आधुनिक प्रतीक्षालय, विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया, सुव्यवस्थित पार्किंग, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं तथा 480 वर्गमीटर का वाणिज्यिक क्षेत्र विकसित किया गया है। इसके अलावा तीनों प्लेटफॉर्मों पर 10 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल में आधुनिक शेड लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को हर मौसम में बेहतर सुविधा मिलेगी। रेलवे ने पर्यटन सीजन में बढ़ने वाली यात्री संख्या को देखते हुए स्टेशन की प्रमुख वाणिज्यिक परिसंपत्तियों का सफलतापूर्वक आउटसोर्सिंग भी कर दी है। स्टेशन परिसर में कियोस्क, रिटायरिंग रूम, डॉरमेटरी, एयर कॉनकोर्स से जुड़े वेटिंग लाउंज, मल्टी-पर्पज हॉल और आधुनिक वाहन पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट और आधुनिक कैटरिंग स्टॉल भी स्थापित किए गए हैं। रेलवे के अनुसार इन वाणिज्यिक परिसंपत्तियों के प्रभावी उपयोग से प्रतिवर्ष करीब 50 लाख रुपये की गैर-किराया आय होने का अनुमान है, जिससे रेलवे के राजस्व में वृद्धि के साथ यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह पुनर्विकसित स्टेशन न केवल देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के सफर को अधिक सुविधाजनक बनाएगा, बल्कि जैसलमेर के पर्यटन, व्यापार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई मजबूती प्रदान करेगा।

पुष्कर जोग ने यूके में अपनी नई हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरू की

यह एक ब्रिटिश इंडियन क्रॉसओवर फीचर फिल्म 'अंतराल' है, जिसमें मैं और @anisaaniiam हैं।' इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ अनीसा बट नजर आएंगी। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जबकि इसे ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं। भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर हमेशा ऐसे किरदार चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें, और 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है।

मुंबई एक्टर पुष्कर जोग इन दिनों अपनी आने वाली हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग के लिए यूनाइटेड किंगडम में हैं, और इस बार कहानी में है प्यार भी... और खतरा भी। पुष्कर ने सोशल मीडिया पर सेट से क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए इस नए सफर की शुरुआत की अनाउंसमेंट की। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, 'यूनाइटेड किंगडम में सेट अपनी अगली हिंदी हॉरर रोमांटिक ड्रामा फिल्म की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। यह एक ब्रिटिश इंडियन क्रॉसओवर फीचर फिल्म 'अंतराल' है, जिसमें मैं और @anisaaniiam हैं।' इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ अनीसा बट नजर आएंगी। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जबकि इसे ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं। भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर हमेशा ऐसे किरदार चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें, और 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है। पुष्कर के इस नए अपडेट पर फैंस और इंडस्ट्री दोनों की तरफ से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। हर कोई इस फ्रेश और दिलचस्प फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यूके में शूटिंग जारी है, और उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और भी रोमांचक डिटेल्स सामने आएंगी।

15 साल बाद मार्वल स्टेडियम से अलग की मेलबर्न रेनेगेड्स ने राहें, एमसीजी होगा नया घरेलू मैदान

मेलबर्न । बिग बैश लीग (बीबीएल) की फ्रेंचाइजी मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी पुरुष टीम के घरेलू मैदान को बदलने का फैसला किया है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने 15 साल के बाद मार्वल स्टेडियम से अपनी राहें अलग कर ली हैं। आगामी सीजन में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) रेनेगेड्स का घरेलू मैदान होगा। बीबीएल क्लब ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बिग बैश लीग की शुरुआत 2011-12 सीजन से की थी और तब से वह अपने ज्यादातर घरेलू मुकाबले मार्वल स्टेडियम में खेलती आ रही थी। इसी मैदान पर टीम ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। रेनेगेड्स ने बीबीएल के आठवें सीजन में खिताब जीता था और उस यादगार सफर का गवाह भी मार्वल स्टेडियम ही बना था। अब क्लब ने मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीजी) के साथ नया समझौता किया है, जिसके तहत बिग बैश लीग के 16वें सीजन से टीम के कुछ खास मुकाबले एमसीजी में खेले जाएंगे। आगामी सीजन में रेनेगेड्स एमसीजी में कुल तीन मैच खेलेगी। इनमें दो मुकाबले वह घरेलू टीम के रूप में खेलेगी, जिसमें मेलबर्न डर्बी भी शामिल होगा। इसके अलावा एक मैच वह मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ मेहमान टीम के रूप में खेलेगी। रेनेगेड्स इस सीजन में मेलबर्न के जंक्शन ओवल मैदान पर भी अपने दो घरेलू मुकाबले खेल सकती है। इसके अलावा टीम दिसंबर में होने वाले ऐतिहासिक चेन्नई मुकाबले का भी हिस्सा बनेगी। इस बदलाव के चलते जिलॉन्ग में पिछले पांच साल में पहली बार कोई बिग बैश मैच नहीं खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट क्लब के सीईओ स्टुअर्ट फॉक्स ने इस बदलाव को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 2026-27 की गर्मियों में एमसीजी का क्रिकेट कार्यक्रम और बड़ा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिग बैश लीग गर्मियों के क्रिकेट कैलेंडर का अहम हिस्सा है और क्लब रेनेगेड्स के स्वागत के लिए उत्साहित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एमसीजी में फैंस को रोमांचक मुकाबलों का आनंद लेने के और ज्यादा मौके मिलेंगे। रेनेगेड्स के कप्तान विल सदरलैंड ने भी एमसीजी में खेलने को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड दुनिया के सबसे प्रसिद्ध खेल स्थलों में से एक है और हर खिलाड़ी वहां खेलने का सपना देखता है। उन्होंने पिछले सीजन में एमसीजी पर हुए डर्बी मुकाबले का जिक्र करते हुए कहा कि वहां का माहौल शानदार था और इससे पता चलता है कि इस मैदान पर बिग बैश क्रिकेट कितना खास हो सकता है। सदरलैंड ने कहा कि टीम के खिलाड़ी भारी भीड़ के सामने खेलने और अपने फैंस के साथ यादगार पल बनाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने यह भी माना कि टीम के समर्थकों के लिए यह बदलाव आसान नहीं रहा होगा, लेकिन खिलाड़ी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेलबर्न रेनेगेड्स के जनरल मैनेजर मैक्स एबॉट ने कहा कि एमसीजी में क्रिकेट खेलना मेलबर्न की गर्मियों की पहचान है। उन्होंने कहा कि टीम दुनिया के सबसे बेहतरीन स्टेडियमों में से एक में अपने घरेलू मुकाबले खेलने को लेकर रोमांचित है। हालांकि, उन्होंने मार्वल स्टेडियम को भी धन्यवाद दिया और कहा कि यह मैदान पिछले 15 वर्षों से रेनेगेड्स की पहचान का हिस्सा रहा है। टीम ने वहां कई यादगार मुकाबले खेले और कई खास पल बनाए। उन्होंने कहा कि मार्वल स्टेडियम हमेशा क्लब के इतिहास में एक विशेष स्थान रखेगा।

गौरव श्रीवास्तव ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के साथ किया खेल
सीआईए एजेंट बनकर दिया धोखा, अरबों रुपये की डिफेंस डील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। एक भारतवंशी गौरव श्रीवास्तव ने पूरे देश की सरकार को चकमा देकर अरबों रुपये का चूना लगा दिया। दरअसल भारतीय मूल के एक कारोबारी ने कथित तौर पर खुद को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट बताकर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के करीब आया। आरोप है कि उसका उद्देश्य अरबों डॉलर के रक्षा सौदे हासिल करना था। ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (OCCRP) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतवंशी कारोबारी गौरव श्रीवास्तव ने खुद को सीआईए का अधिकारी बताकर कई प्रभावशाली लोगों का भरोसा जीता और फिर उन्हें अमेरिका के साथ अरबों डॉलर के रक्षा समझौते का झांसा दिया। गौरव ने इंडोनेशियाई सेना के लिए 36 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और मिलिट्री कमांड सिस्टम दिलाने के नाम पर इंडोनेशिया की सरकार को अरबों रुपये का चूना लगाया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गौरव श्रीवास्तव ने इंडोनेशिया के पूर्व रक्षा मंत्री और वर्तमान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से नजदीकी संबंध बनाए। साल 2020 में वह कथित तौर पर वॉशिंगटन डीसी और जकार्ता में सुबियांतो के साथ कई उच्चस्तरीय बैठकों में शामिल हुआ, जहां लड़ाकू विमानों और अन्य रक्षा उपकरणों की खरीद पर चर्चा हुई थी। इसके बाद फर्जी शेल कंपनियों के जरिए गौरव ने इंडोनेशिया से 425 करोड़ रुपये का कर्ज भी मंजूर करा लिया। ये ठगी 2020 से 2022 के बीच की गई। यह रिपोर्ट श्रीवास्तव के पूर्व कारोबारी साझेदार नील्स ट्रोस्ट द्वारा कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क की अदालतों में दायर दीवानी मुकदमों पर आधारित है। ट्रोस्ट का दावा है कि उन्होंने अपनी कंपनी में श्रीवास्तव को 50 प्रतिशत हिस्सेदारी दी थी ट्रोस्ट के अनुसार, श्रीवास्तव ने इंडोनेशिया के कई प्रभावशाली उद्योगपतियों से भी संबंध बनाए, जिनमें प्रबोवो सुबियांतो के भाई और असींरी ग्रुप के चेयरमैन हाशिम दजोजोहादिकुसुमो भी शामिल हैं। मुकदमे में शामिल रिकॉर्डेड फोन कॉल्स के अनुसार, श्रीवास्तव ने दावा किया था कि वह सीआईए के लिए काम करता है। आरोप है कि उसने इसी दावे के जरिए इंडोनेशिया के वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास हासिल किया और सरकार की शीर्ष बैठकों तक पहुंच बनाई। दावा किया गया है कि धांधली से कमाए पैसों से गौरव ने लॉस एंजिलिस में दो सौ करोड़ रुपये का आलीशान बंगला खरीदा है। गौरव ने इंडोनेशिया के साथ अमेरिका की 1.32 लाख करोड़ रुपये की डिफेंस डील की। जांच में पता चला है कि गौरव की शेल कंपनियों ने ही डिफेंस डील हासिल की। बाद में टैक्स न जमा करने के चलते ये कंपनियां बंद हो चुकी हैं। फिलहाल गौरव श्रीवास्तव के खिलाफ अमेरिका में धोखाधड़ी के केस दर्ज हैं, जिन पर सुनवाई चल रही है।

दिग्विजय सिंह का राजनीति से संन्यास, अब धर्म के लिए लड़ेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है, 'अब वे धर्म की रक्षा करेंगे. राम मंदिर चढ़ावा चोरी की लड़ाई लडेंगे।' पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने अब कुछ देर पहले संन्यास की घोषणा की है। यहां बता दें, दिग्विजय सिंह का राज्यसभा का कार्यकाल जून महीने में खत्म हुआ है। उम्र के 80वें बसंत को पूरा करने की ओर बढ़ रहे, दिग्विजय सिंह ने कहा है, 'पार्टी ने उन्हें 5 बार विधायक, दो बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का सदस्य पद दिया। अनेक तरह के पद उन्हें पार्टी ने संगठन में दिए। राजनीति की अपनी पूरी पारी वे खेल चुके हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा है, 'मैं सनातन धर्म को समझता हूं, भाजपा, वीएचपी और आरएसएस को भी समझता हूं। अब मेरा मिशन धर्म की रक्षा करना है, अब कोई राजनीति नहीं करूंगा, अपनी आखिरी सांस तक आस्था की रक्षा करनी है।' उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब वह सक्रिय राजनीति नहीं करेंगे, सार्वजनिक सभाओं में भाषण नहीं देंगे और सोशल मीडिया पर भी कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में यदि वह कोई यात्रा निकालेंगे, तो उसके लिए किसी को आमंत्रित नहीं करेंगे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अब उनका मकसद केवल धर्म की रक्षा और सामाजिक कार्यों के लिए योगदान देना है। दिग्विजय सिंह महाकाल मंदिर भूमि ट्रस्ट और राम जन्म भूमि मंदिर ट्रस्ट में भारी गड़बड़ियों को लेकर 02 अक्टूबर से पदयात्रा शुरू करने वाले हैं। यात्रा उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर से शुरू होकर राममंदिर पहुंचकर समाप्त होगी।

यात्रा 1 हजार किलोमीटर के करीब की होगी। सवालों के जवाब में दिग्विजय सिंह ने कहा है, 'यात्रा में किसी तरह का किसी नेता को वे खुद होकर नहीं बुलायेंगे। राहुल गांधी को भी नहीं।'

उन्होंने कहा, 'उनकी यात्रा में वे मुख्य अतिथि के तौर पर उन कार सेवक संतोष दुबे को आमंत्रित करेंगे, जिन संतोष दुबे ने राम मंदिर आंदोलन के दौरान चार-चार गोलियां खाई थीं। राम मंदिर ट्रस्ट में हुए घोटाले को लेकर जो आज पूरी मुखरता के साथ बोल रहे हैं।'

शरिया के तहत प्यूबर्टी की उम्र में निकाह पॉक्सो एक्ट का उल्लंघनः हाईकोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अदालत ने 19 आरोपियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया, जिन पर बुलंदशहर में एक 16 वर्षीय नाबालिग मुस्लिम लड़की का निकाह रुकवाने गई पुलिस और चाइल्ड लाइन की टीम पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है।

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बाल विवाह को लेकर एक ऐतिहासिक और बेहद अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरिया) समेत देश का कोई भी पर्सनल लॉ, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 (PCMA) के तहत लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं कर सकता। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पर्सनल लॉ, बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने वाले पॉक्सो एक्ट (POCSO Act, 2012) के प्रावधानों से ऊपर नहीं हो सकता। यह महत्वपूर्ण फैसला जस्टिस जे.जे. मुनीर और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने 'रूबी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' (Rubi Vs State of UP) मामले की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने 19 आरोपियों के खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने से इनकार कर दिया, जिन पर बुलंदशहर में एक 16 वर्षीय नाबालिग मुस्लिम लड़की का निकाह रुकवाने गई पुलिस और चाइल्ड लाइन की टीम पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है। याचिकाकर्ताओं (आरोपियों) की ओर से वकील ने कोर्ट में दलील दी थी कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरिया) के तहत, यदि कोई लड़की प्यूबर्टी (रजस्वला) की उम्र पार कर लेती है जिसे आमतौर पर 15 वर्ष माना जाता है तो वह निकाह के योग्य हो जाती है। उनका तर्क था कि बाल विवाह निषेध अधिनियम उनके पर्सनल लॉ को प्रभावित नहीं कर सकता। अदालत ने इस दलील को सिरे से खारिज करते हुए कहाः 'शरिया कानून, जो लड़की के विवाह के लिए प्यूबर्टी (रजस्वला) की उम्र को सक्षम मानता है, वह साफ तौर पर बाल विवाह निषेध अधिनियम (PCMA) और पॉक्सो (POCSO) एक्ट के प्रावधानों के विपरीत है। ' कोर्ट ने आगे जोड़ा कि देश के हर नागरिक के लिए, चाहे उसका धर्म कोई भी हो, शादी की न्यूनतम उम्र वही होगी जो बाल विवाह निषेध अधिनियम में तय की गई है। इसके अलावा, अदालत ने चेतावनी दी कि यदि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की की शादी की अनुमति दी जाती है, तो यह पॉक्सो एक्ट का भी सीधा उल्लंघन होगा, क्योंकि विवाह और शारीरिक संबंध एक-दूसरे से अलग नहीं किए जा सकते।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला, 11 को उम्रकैद; 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया। कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए। धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ। जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली। करीब 80 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। कोरोना के समय भी सुनवाई बंद नहीं हुई। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल की अदालत में 1,100 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट में 6,000 से अधिक दस्तावेज पेश किए गए। मामले में 5,47 चार्जशीट के कुल 3,47,800 पन्ने दाखिल किए गए, जबकि सिर्फ मुख्य चार्जशीट ही 9,800 पन्नों की थी। जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया कि धमाकों के पीछे आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (IM) और प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (SIMI) से जुड़े लोगों का हाथ था। इसे 2000 के दशक में बनाया गया था।

यूपी पंचायत चुनावः प्रधानों को प्रशासक बनाने पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब, 10 जुलाई को होगा फैसला

ब्यूरो प्रयागराज। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों के स्थान पर प्रशासक नियुक्त करने के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर राज्य सरकार को जवाब पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में 10 जुलाई को पंचायतीराज विभाग के अपर मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने मंगलवार को यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता संजय कुमार शर्मा की जनहित याचिका पर दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि ग्राम प्रधानों के स्थान पर प्रशासकों की नियुक्ति का 25 मई का आदेश संविधान के 73 वें संशोधन, पंचायत राज व्यवस्था तथा संबंधित वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। उत्तर प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं की संवैधानिक स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों और ग्रामीण स्वशासन की रक्षा से जुड़ा हुआ है। उधर, राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह पेश हुए। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने मामले में सहयोग के लिए अपर मुख्य सचिव ने पंचायतीराज को 10 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होने को कहा है।